भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2984

जिसका उत्तर 18.03.2026 को दिया जाना है

भारतमाला परियोजना की प्रगति

2984 श्री सुरेन्द्र सिंह नागरः
श्री केसरीदेवसिंह झालाः
श्री अमर पाल मौर्यः
श्री नारायण कोरागप्पाः
श्री अशोकराव शंकरराव चव्हाणः
डा. मेधा विश्राम कुलकर्णीः
श्री नरहरी अमीनः
डा. भागवत कराड़ः

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) मार्च 2026 में पूर्णता के निकट पहुंच रही भारतमाला परियोजना चरण। की प्रगति क्या है तथा वर्ष 2014 से अब तक कुल कितनी लंबाई के अभिगम-नियंत्रित उच्च-गति गलियारों का संचालन किया गया है;

(ख) पश्चिमी और उत्तरी भारत के औद्योगिक क्लस्टरों के लिए यात्रा समय और लॉजिस्टिक्स लागत में कमी लाने में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे तथा गंगा एक्सप्रेस-वे का क्या प्रभाव पड़ा है; और

(ग) उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के उच्च ऊंचाई वाले तीर्थ स्थलों तक अंतिम-मील कनेक्टिविटी प्रदान करने में "पर्वतमाला" (राष्ट्रीय रोपवे विकास कार्यक्रम) की वर्तमान स्थिति क्या है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) सरकार द्वारा भारतमाला परियोजना का चरण-1 वर्ष 2017 में स्वीकृत किया गया था, जिसमें देश भर में 34,800 किलोमीटर की लंबाई को शामिल किया गया था और इसका अनुमानित परिव्यय 5,35,000 करोड़ रुपये था। इस कार्यक्रम के तहत, कुल 26,425 किलोमीटर की परियोजनाओं को आबंटित किया गया था और इसमें से फरवरी 2026 तक 22,223 किलोमीटर का निर्माण कार्य पहले ही पूर्ण हो चुका है।

(ख) दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और वित्तीय राजधानी मुंबई के बीच यात्रा का समय 24 घंटे से घटकर 12 घंटे होने की उम्मीद है। यह एक्सप्रेसवे भारत के आठ प्रमुख राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों- दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात, दादरा और नगर हवेली तथा महाराष्ट्र - के प्रमुख आर्थिक केंद्रों को जोड़ता है।

यह कॉरिडोर 93 राष्ट्रीय मास्टर प्लान (एमएनपी) (केंद्रों), 8 मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक पार्क (एमएमएलपी), 12 पत्तनों और 8 हवाई अड्डों को पहुंच-नियंत्रित संपर्कता प्रदान करेगा, जिसमें उत्तर प्रदेश के जेवर हवाई अड्डे, नवी मुंबई हवाई अड्डे और महाराष्ट्र के जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट (जेएनपीटी) पत्तन के लिए एक शाखा मार्ग स्पर भी शामिल है।

गंगा एक्सप्रेसवे का विकास उत्तर प्रदेश राज्य सरकार (यूपीईआईडीए) द्वारा किया जा रहा है।

(ग) विवरण अनुलग्नक में संलग्न हैं।

अनुलग्नक

'भारतमाला परियोजना की प्रगति' के संबंध में श्री सुरेन्द्र सिंह नागर, श्री केसरीदेवसिंह झाला, श्री अमर पाल मौर्य, श्री नारायण कोरागप्पा, श्री अशोकराव शंकरराव चव्हाण, डा. मेधा विश्राम कुलकर्णी, श्री नरहरी अमीन, डा. भागवत कराड़ द्वारा पूछे गए राज्य सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 2984 के भाग (ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक।

उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में राष्ट्रीय रोपवे विकास कार्यक्रम के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरणः-

क्र. सं.	**राज्य /संघ राज्य क्षेत्र**	**रोपवे परियोजना का नाम**	**मोड**	**परियोजना की लागत (करोड़ रुपये में)**	**स्थिति/चरण**	**संभावित समापन तिथि**
1	हिमाचल प्रदेश	बिजली महादेव (2.32 किमी)	एचएएम	283.92	कार्यान्वयन के अधीन	**
2	उत्तराखंड	केदारनाथ (12.9 किमी)	डीबीएफओटी	4081.28	कार्य सौंपा दिया गया है	मई-2032
3	उत्तराखंड	हेमकुंड साहिब जी (12.4 किमी)	डीबीएफओटी	2730.13	कार्य सौंपा दिया गया है	मई-2032

****स्थानीय विरोध प्रदर्शन के कारण परियोजना पर पुनर्विचार किया जा रहा है।**

*****